मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–011

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.–011 : बौद्ध और जैन अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम केवल एक भाषा हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी* ***या*** *संस्कृत हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* $15 \times 4 = 60$

1. बौद्ध धर्म को स्पष्ट करते हुए **चार** ब्रह्मविहारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. बौद्ध प्रमाण मीमांसा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।
3. जैन आगम साहित्य के स्वरूप, उसके भेदों व संख्याओं के मतभेदों पर प्रकाश डालिए।
4. जैन धर्म-दर्शन के व्यापक संदेशों को स्पष्ट कीजिए तथा उसका प्रचार-प्रसार कहाँ-कहाँ हुआ ? प्रकाश डालिए।
5. सम्यक् दर्शन की भेद-विवक्षाओं पर सविस्तार प्रकाश डालिए तथा सम्यक् दृष्टि की विशेषताओं पर विस्तारपूर्वक लिखिए।
6. जैन प्रमाण मीमांसा को स्पष्ट करते हुए नयवाद का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $10 \times 4 = 40$

7. बुद्ध के जीवनकाल में हुए बौद्ध धर्म के विकास का विवेचन कीजिए।

8. प्रथम धम्म संगीति के आयोजन की पृष्ठभूमि पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

9. उपेक्षा विहार (ब्रह्म विहार) का क्या अर्थ है ? ये कितने प्रकार के होते हैं ? वर्णन कीजिए।

10. दिगम्बर व श्वेताम्बर सम्प्रदायों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

11. जैन दर्शन में वर्णित पंचमहाव्रत कौन-कौन से हैं ? स्पष्ट कीजिए।

12. जैन सम्प्रदायों के विभाजन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×